Harmony in Nature
प्रकृति में व्यवस्था

स्वयं में अध्ययन

1. अध्ययन वस्तु:

   a. चाहना - लक्ष्य — सुख, समृद्धि → निरंतरता

   b. करना - कार्यक्रम — सुख = संगीत में, व्यवस्था में जीना

↓

व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. **प्रकृति में व्यवस्था**

2. अध्ययन विधि

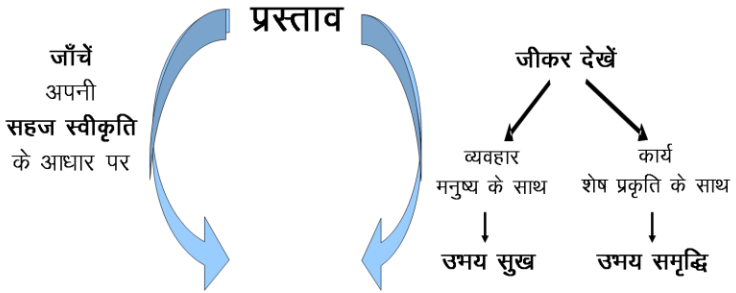

आगे, प्रकृति की व्यवस्था का अध्ययन करेंगे

अभी तक अपनी सहज स्वीकार्यता का, स्वत्व का अध्ययन किया है ।

संगीत में, व्यवस्था में जीना सहज स्वीकार्य होता है – व्यक्ति के स्तर पर, परिवार के स्तर पर, समाज के स्तर पर...

क्या प्रकृति की इकाइयां परस्परपूरक हैं?

क्या प्रकृति में संबंध एवं व्यवस्थापूर्वक जी पाना संभव है या प्रकृति में विरोध, संघर्ष अंतर्निहित है?

क्या मानव की चाहना प्रकृति सहज है भी कि नहीं ?

क्या संगीत में, व्यवस्था में जीना संभव भी है – व्यक्ति के स्तर पर, परिवार के स्तर पर, समाज के स्तर पर... ?

जैसा जीना सहज स्वीकार्य होता है, क्या प्रकृति में वैसा जीने का प्रावधान है ?

इन प्रश्नों के साथ प्रकृति का अध्ययन करेंगे...

Nature प्रकृति

Nature प्रकृति = Collection of Units इकाई समूह

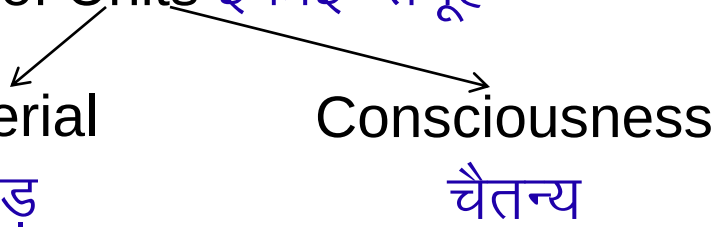

इकाई = क्रिया = जो भी एक–एक के रूप में है

= रूप, गुण, स्वभाव, धर्म, परम धर्म

4 अवस्थाएं

परस्पर पूरकता का संबंध

प्रकृति में व्यवस्था – 4 अवस्थाएं, परस्पर पूरकता का संबंध

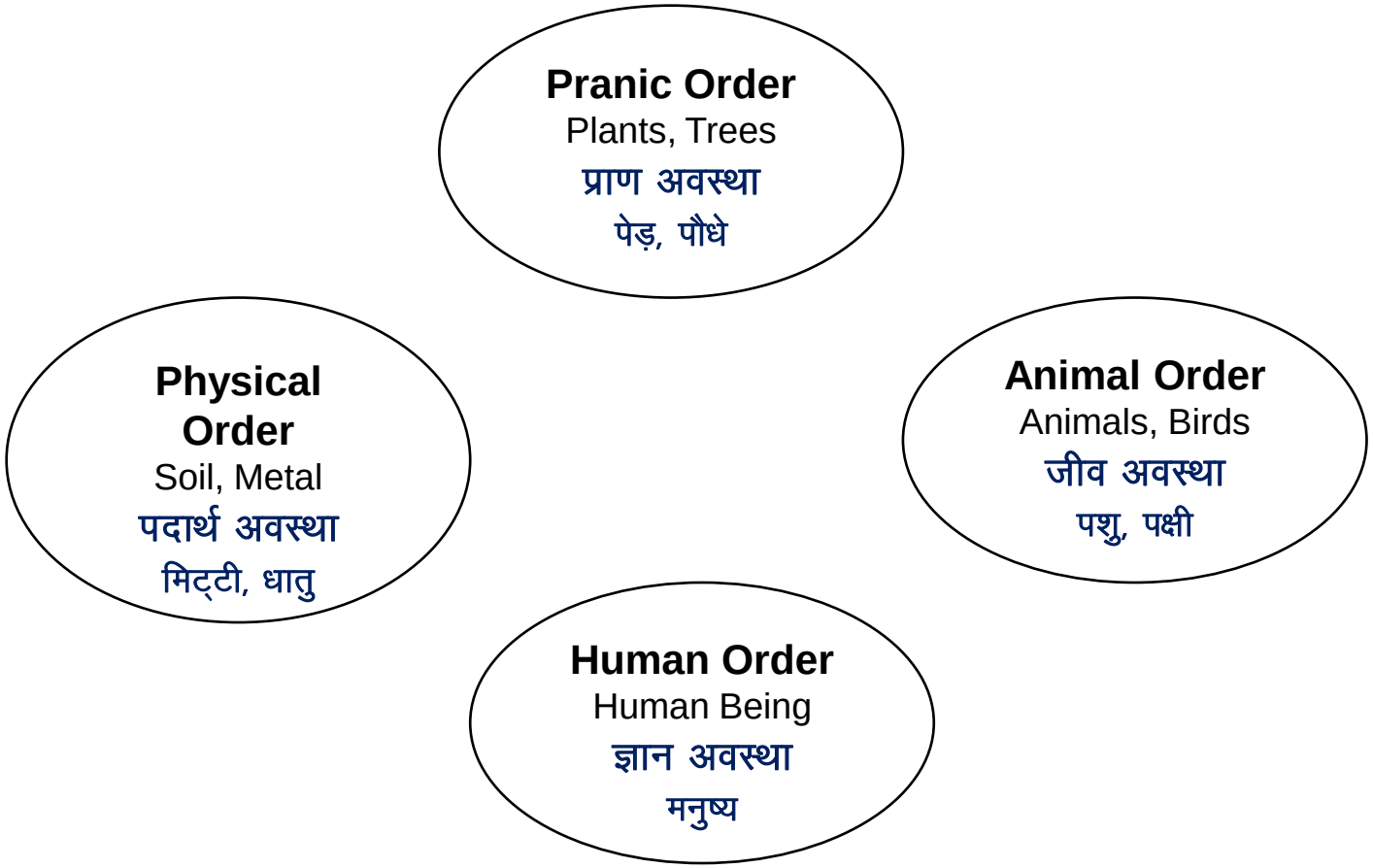

Relationship of Mutual Fulfillment परस्पर पूरकता का संबंध

Mutual Fulfillment = Relatedness + Fulfillment

⬇ ⬇ ⬇ ⬇

परस्पर पूरकता = परस्परता + पूरकता

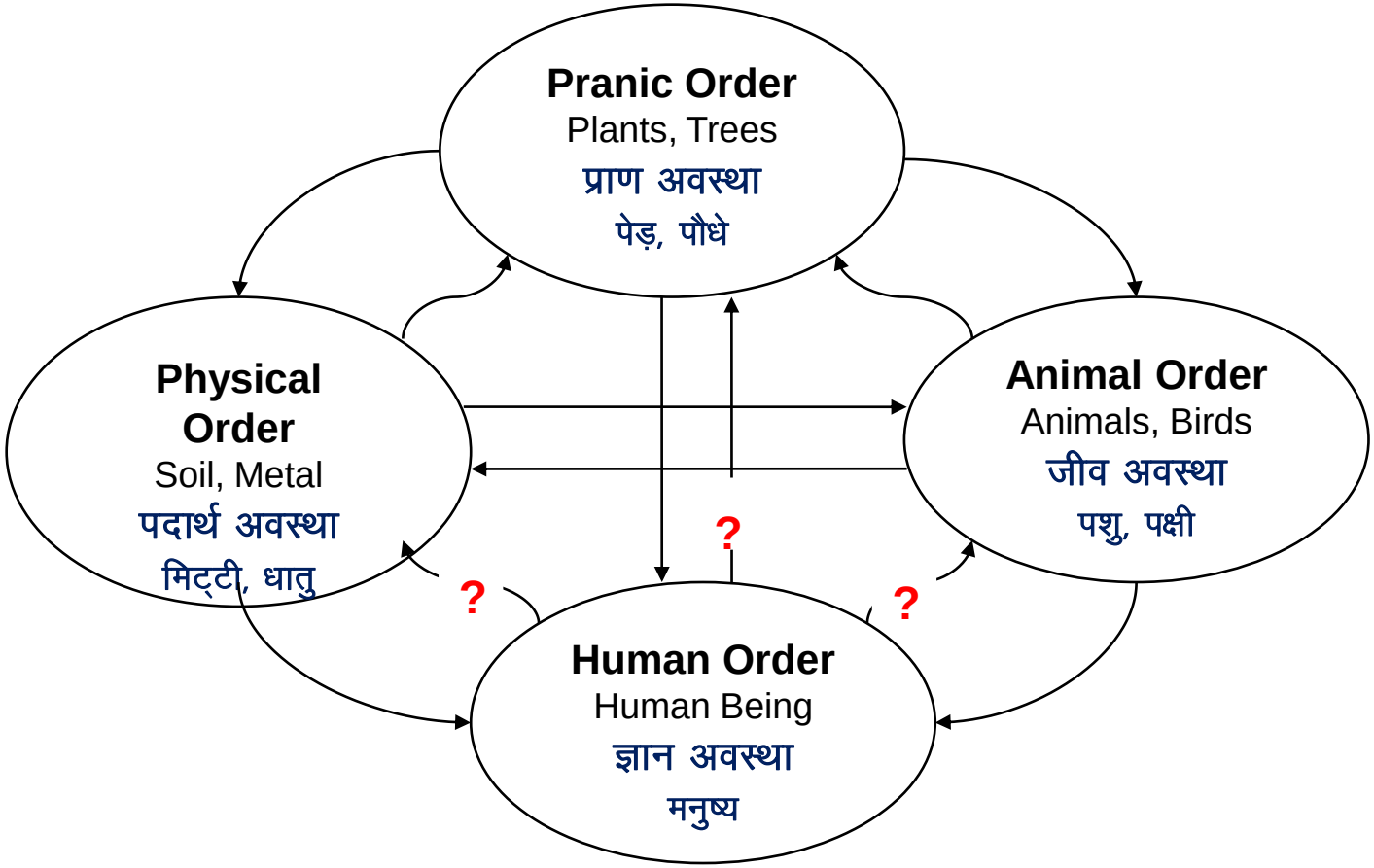

Harmony in Nature प्रकृति में व्यवस्था

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया
Physical पदार्थ	Soil, Metal मिट्टी, धातु	Composition-Decomposition रचना–विरचना
Pranic प्राण	Plants, Trees पेड़, पौधे	"-“ + Respiration श्वसन–प्रश्वसन
Animal जीव	Animals, Birds पशु, पक्षी	"-“, " in Body शरीर में Selecting/Tasting in I चयन/आस्वादन मैं में
Human ज्ञान	Human Beings मनुष्य	"-“, " in Body शरीर में Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में Potential for Understanding in I समझने की क्षमता मैं में

Harmony in Nature प्रकृति में व्यवस्था

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)
Physical पदार्थ	**Soil, Metal** मिट्टी, धातु	**Composition-Decomposition** रचना–विरचना	**Existence** अस्तित्व
Pranic प्राण	**Plants, Trees** पेड़, पौधे	**"-" + Respiration** श्वसन–प्रश्वसन	**" + Growth** पुष्टि
Animal जीव	**Animals, Birds** पशु, पक्षी	**"-", " in Body** शरीर में **Selecting/Tasting in I** चयन/आस्वादन मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live in I** मैं में जीने की आशा
Human ज्ञान	**Human Beings** मनुष्य	**"-", " in Body** शरीर में **Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I** चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में **Potential for Understanding in I** समझने की क्षमता मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live with continuous happiness in I** मैं में निरंतर सुखपूर्वक जीने की आशा

धारणा :– स्वयं के होने की व्यवस्था

Harmony in Nature प्रकृति में व्यवस्था

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)	INHERITANCE अनुषंगीयता
Physical पदार्थ	**Soil, Metal** मिट्टी, धातु	**Composition-Decomposition** रचना–विरचना	**Existence** अस्तित्व	**Constitution based** परिणाम अनुषंगी
Pranic प्राण	**Plants, Trees** पेड़, पौधे	**"-" + Respiration** श्वसन–प्रश्वसन	**" + Growth** पुष्टि	**Seed based** बीज अनुषंगी
Animal जीव	**Animals, Birds** पशु, पक्षी	**"-", " in Body** शरीर में **Selecting/Tasting in I** चयन/आस्वादन मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live in I** मैं में जीने की आशा	**Breed based** वंश अनुषंगी
Human ज्ञान	**Human Beings** मनुष्य	**"-", " in Body** शरीर में **Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I** चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में **Potential for Understanding in I** समझने की क्षमता मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live with continuous happiness in I** मैं में निरंतर सुखपूर्वक जीने की आशा ↑ Right Feeling & Thought समाधान ↑ Knowledge ज्ञान	**Education-Sanskar based** शिक्षा–संस्कार अनुषंगी

अनुषंगीयता :– परंपरा के रूप में आचरण की निश्चितता एवं निरंतरता का आधार

Harmony in Nature प्रकृति में व्यवस्था

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)	NATURAL CHARACTERISTIC स्वभाव (Participation)	INHERITANCE अनुषंगीयता
Physical पदार्थ	**Soil, Metal** मिट्टी, धातु	**Composition-Decomposition** रचना–विरचना	**Existence** अस्तित्व	**Composition-Decomposition** संगठन–विघटन	**Constitution based** परिणाम अनुषंगी
Pranic प्राण	**Plants, Trees** पेड़, पौधे	**"-" + Respiration** श्वसन–प्रश्वसन	**" + Growth** पुष्टि	**" + Nurture-Worsen** सारक–मारक	**Seed based** बीज अनुषंगी
Animal जीव	**Animals, Birds** पशु, पक्षी	**"-", " in Body** शरीर में **Selecting/Tasting in I** चयन/आस्वादन मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live in I** मैं में जीने की आशा	**", " in body** शरीर में **Cruelty, Non-cruelty in I** मैं में क्रूरता, अक्रूरता	**Breed based** वंश अनुषंगी
Human ज्ञान	**Human Beings** मनुष्य	**"-", " in Body** शरीर में **Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I** चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में **Potential for Understanding in I** समझने की क्षमता मैं में	**", " in Body** शरीर में **Will to live with continuous happiness in I** मैं में निरंतर सुखपूर्वक जीने की आशा ↑ Right Feeling & Thought समाधान ↑ Knowledge ज्ञान	**", " in body** शरीर में **Perseverance, Bravity, Generosity in I** मैं में धीरता, वीरता, उदारता	**Education-Sanskar based** शिक्षा–संस्कार अनुषंगी

स्वभाव :– व्यवस्था में भागीदारी

Role of Education-Sanskar शिक्षा–संस्कार की भूमिका

ORDERS 4 अवस्था	UNITS इकाई	ACTIVITY क्रिया	INNATENESS धारणा (Self-organisation)	NATURAL CHARACTERISTIC स्वभाव (Participation)	INHERITANCE अनुषंगीयता
Physical पदार्थ	Soil, Metal मिट्टी, धातु	Composition-Decomposition रचना–विरचना	Existence अस्तित्व	Composition-Decomposition संगठन–विघटन	Constitution based परिणाम अनुषंगी
Pranic प्राण	Plants, Trees पेड़, पौधे	"-" + Respiration श्वसन–प्रश्वसन	" + Growth पुष्टि	" + Nurture-Worsen सारक–मारक	Seed based बीज अनुषंगी
Animal जीव	Animals, Birds पशु, पक्षी	"-", " in Body शरीर में Selecting/Tasting in I चयन/आस्वादन मैं में	", " in Body शरीर में Will to live in I मैं में जीने की आशा	", " in body शरीर में Cruelty-Non cruelty in I	Breed based वंश अनुषंगी
Human ज्ञान	Human Beings मनुष्य	"-", " in Body शरीर में Imaging, Analysing, Selecting/Tasting in I चित्रण, विशलेशण, चयन/आस्वादन मैं में Potential for Understanding in I समझने की क्षमता मैं में	", " in Body शरीर में Will to live with continuous happiness in I मैं में निरंतर सुखपूर्वक जी... की आशा ↑ Right Feeling & Thought समाधान ↑ Knowledge ज्ञान	...ance Brav... मैं में धी...	...ion- ...r based ...कार अनुषंगी

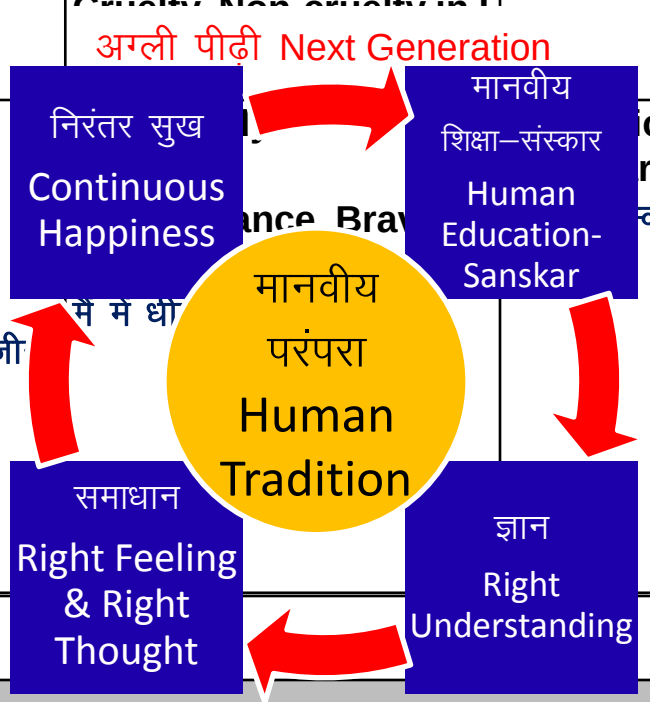

स्वभाव :– अपने से बड़ी व्यवस्था/समग्र व्यवस्था में भागीदारी

प्रकृति में व्यवस्था

प्रकटन क्रम – पदार्थ अवस्था ➡ प्राण अवस्था ➡ जीव अवस्था ➡ ज्ञान अवस्था

संख्या / मात्रा के रूप में – पदार्थ अवस्था >> प्राण अवस्था >> जीव अवस्था >> ज्ञान अवस्था

इकाइयां आवश्यकतानुसार हैं।

निर्भरता – हर पिछली अवस्था पर

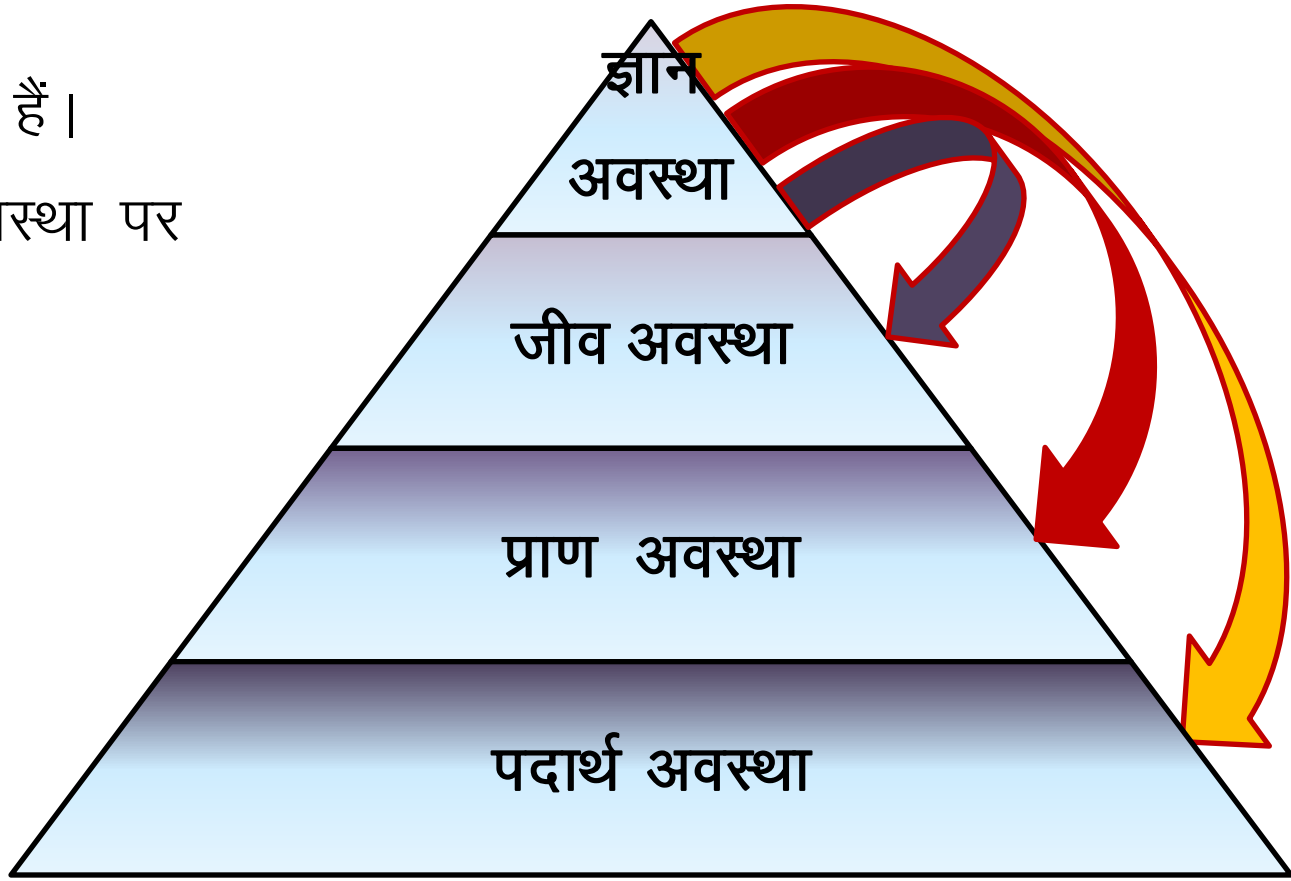

सारांश

1. पदार्थ अवस्था — मिट्टी, पानी
2. प्राण अवस्था — पेड़, पौधे
3. जीव अवस्था — पशु–पक्षी
4. ज्ञान अवस्था — मानव

} प्रकृति = इकाई समूह = 4 अवस्थाएं

प्रकृति की सभी 4 अवस्थाएं परस्परपूरक हैं। पहली 3 अवस्थाएं परस्परपूरक हैं एवं मनुष्य के लिए भी पूरक हैं। मानव भी सहज रूप में इन सबों के लिए पूरक होना चाहता है। इसके लिए व्यवस्था को समझने की जरूरत है। व्यवस्था को समझकर ही मनुष्य परस्परपूरकता का निर्वाह कर पाता है।

मनुष्य की भागीदारी इस परस्परपूरकता को समझने की है। इसके लिए कार्यक्रमः–

1. प्रकृति में अंतर्निहित व्यवस्था को समझना
2. इन सभी अवस्थाओं के साथ परस्परपूरकता का निर्वाह करना